

स्वतंत्र भारत

मूल्य : 3 रुपये

ePaper : epaper.swatantrabharat.net

अहिल्याबाई का जीवन डबल इंजन सरकार की प्रेरणा : योगी



स्वतंत्र भारत व्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पृथ्वी पर इस लोक का लोक माता का अहिल्याबाई होल्कर की जन्म विद्यालयी वर्ष स्मृति अभियान 2025 के अन्तर्गत आगरा में आयोजित विश्वालिंग संगोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पुण्यशलोक पूज्य देवी अहिल्याबाई होल्कर मालवा समाज की महारानी थीं, जिसका विस्तार मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों तक था। मुगल कालखण्ड में जैविदेवी आकांक्षाओं ने भारत की अस्मिता और आस्था के प्रतीकों, खासकर मर्दों को नष्ट और भ्रष्ट किया, तब देवी अहिल्याबाई ने ढाई सौ साल पहले इनके पुण्योदारा का महान कार्य किया। उन्होंने इस समारोह को लोकमाता के प्रति कृज्ञता विद्युत करने का एक माध्यम बताया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन की शुरुआत आगरा को ब्रजभूमि के रूप में संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक धरती, जिसे भगवान कृष्ण का सानिध्य प्राप्त हुआ, आज हमें गर्व का अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने उपराष्ट्राति जगदीप धनखड़, उनकी धर्मपत्नी सुदेश धनखड़ और हरियांग के गजयात्रा बड़ारु दत्तात्रेय का आगरा में हातिक स्वागत और अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब समाज अपने श्रद्धालुओं और नायिकाओं से प्रेरणा लेता है, तो कोई भी लोकतान उनके मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। लोकमाता अहिल्याबाई का विराट व्यक्तित्व इसका जीवन उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर जी के कार्यों से प्रेरित होकर डबल इंजन की सकारात्मकता के गजयात्रा बड़ारु दत्तात्रेय का उत्तर प्रदेश में हुए।

मठ विस सीट दिवत घोषित, उपचुनाव जल्द

स्वतंत्र भारत व्यूरो, लखनऊ। हेट स्पीच केस में सजा के एलान के बाद यूपी के मज से सुभासपा विधायक अब्बास अंसरो की विधायकी खत्म हो गई है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनकी सीट के लिए वोटिंग कर दिया है। इसके लिए रिवावर को छुट्टी के दिन संविवालय खोला गया। चनाव आयोग को इनकी सूचना भेज दी गई है। अब इस विधानसभा सीट के उपचुनाव पर सबकी नज़र है। बीते विधानसभा चुनाव के दौरान नफरती भाषण और चुनाव आम सहित का उल्लंघन का मामले में फैसला शनिवार को हुआ। सुवर्वाई के बाद आदालत ने आचार सहित के उल्लंघन के मामले में अब्बास अंसरो को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई गई। इसके साथ ही अलग अलग धाराओं के तहत कुल 11 का जुर्माना भी लगाया गया है।

मठ विस सीट दिवत घोषित, उपचुनाव जल्द

स्वतंत्र भारत व्यूरो, लखनऊ। हेट स्पीच केस में सजा के एलान के बाद यूपी के मज से सुभासपा विधायक अब्बास अंसरो की विधायकी खत्म हो गई है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनकी सीट के लिए वोटिंग कर दिया है। इसके लिए रिवावर को छुट्टी के दिन संविवालय खोला गया। चनाव आयोग को इनकी सूचना भेज दी गई है। अब इस विधानसभा सीट के उपचुनाव पर सबकी नज़र है। बीते विधानसभा चुनाव के दौरान नफरती भाषण और चुनाव आम सहित का उल्लंघन का मामले में फैसला शनिवार को हुआ। सुवर्वाई के बाद आदालत ने आचार सहित के उल्लंघन के मामले में अब्बास अंसरो को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई गई। इसके साथ ही अलग अलग धाराओं के तहत कुल 11 का जुर्माना भी लगाया गया है।

अग्रिम शाह ने कोलकाता में टीएमझी सदकार को वेश

सिंदूर पर टिप्पणी को लेकर ममता और उनकी सकारात्मका को जमकर धेरा। उन्होंने कहा कि पहलाताम आतंकी हमले पर ममता ने चुप्पी साथ ली। जब भारतीय सेना उस हमले को बलात्ता लिया कि तो ममता और उनके नेताओं ने फौजी टिप्पणियां कर दिए। लोकतान आज उसके बाद इंजन की सकारात्मका को जमकर धेरा। उन्होंने बंगाल की जनता को ममता बनजी को सुनपैठ की ताकत दिखायी दी। उन्होंने बंगाल की जनता को ममता बनजी को सुनपैठ की ताकत दिखायी दी। उन्होंने बंगाल की जनता को ममता बनजी को सुनपैठ की ताकत दिखायी दी। उन्होंने बंगाल की जनता को ममता बनजी को सुनपैठ की ताकत दिखायी दी।

गुजरात के मंत्री का बेटा फिर गिरफ्तार

दाहोद। गुजरात के दाहोद में रिवावर को

प्रेरणा मूर्ति हैं वीरांगना अहिल्याबाई : उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती एक तारीख और ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि हम सबके लिए जीवन दर्शन है। हमें संकल्प लेना पड़ता है कि हम उनके आदानों पर चलें। लोकतान कठिन समय में भारत की ममता परंपरा की प्रतिनिधि थीं, जहां धर्म-संस्कृति व शासन एक ही धारा में प्रवाहित होते हैं। सोमनाथ गुजरात, काशी विश्वासीय, महाकालश, औकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भामाशंकर, गोमेश्वर, गोमेश्वर समेत न जाने किन्तु ममिं उनके द्वारा संजीवित हुए। वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर ने कहा कि योगी आदित्यनाथ धारा विश्वासीय, महाकालश, औकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भामाशंकर, गोमेश्वर, गोमेश्वर समेत का अनुभूति होती है। पीपुल मोटी के नेतृत्व में यह कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है। धनखड़ ने कहा कि योगी आदित्यनाथ धारा विश्वासीय, महाकालश, औकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भामाशंकर, गोमेश्वर, गोमेश्वर समेत का अनुभूति होती है। पीपुल मोटी के नेतृत्व में यह कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है।

कुवारायात किया तो उपरे 100 वर्ष बाद अहिल्याबाई होल्कर ने दूरदर्शिता दिखाते हुए काशी विश्वासीय में मंदिर बनाया। वर्तमान सबके लिए वीरांगना दर्शन है। हमें संकल्प लेना पड़ता है कि हम उनके आदानों पर चलें। लोकतान कठिन समय में भारत की ममता परंपरा की प्रतिनिधि थीं, जहां धर्म-संस्कृति व शासन एक ही धारा में प्रवाहित होते हैं। सोमनाथ गुजरात, काशी विश्वासीय, महाकालश, औकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भामाशंकर, गोमेश्वर, गोमेश्वर समेत न जाने किन्तु ममिं उनके द्वारा संजीवित हुए। वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर ने कहा कि योगी आदित्यनाथ धारा विश्वासीय, महाकालश, औकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भामाशंकर, गोमेश्वर, गोमेश्वर समेत का अनुभूति होती है। पीपुल मोटी के नेतृत्व में यह कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है।

धनखड़ ने कहा कि योगी आदित्यनाथ धारा विश्वासीय, महाकालश, औकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भामाशंकर, गोमेश्वर, गोमेश्वर समेत का अनुभूति होती है। पीपुल मोटी के नेतृत्व में यह कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है।

कुवारायात किया तो उपरे 100 वर्ष बाद अहिल्याबाई होल्कर ने दूरदर्शिता दिखाते हुए काशी विश्वासीय में मंदिर बनाया। वर्तमान सबके लिए वीरांगना दर्शन है। हमें संकल्प लेना पड़ता है कि हम उनके आदानों पर चलें। लोकतान कठिन समय में भारत की ममता परंपरा की प्रतिनिधि थीं, जहां धर्म-संस्कृति व शासन एक ही धारा में प्रवाहित होते हैं। सोमनाथ गुजरात, काशी विश्वासीय, महाकालश, औकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भामाशंकर, गोमेश्वर, गोमेश्वर समेत न जाने किन्तु ममिं उनके द्वारा संजीवित हुए। वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर ने कहा कि योगी आदित्यनाथ धारा विश्वासीय, महाकालश, औकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भामाशंकर, गोमेश्वर, गोमेश्वर समेत का अनुभूति होती है। पीपुल मोटी के नेतृत्व में यह कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है।

धनखड़ ने कहा कि योगी आदित्यनाथ धारा विश्वासीय, महाकालश, औकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भामाशंकर, गोमेश्वर, गोमेश्वर समेत का अनुभूति होती है। पीपुल मोटी के नेतृत्व में यह कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है।

कुवारायात किया तो उपरे 100 वर्ष बाद अहिल्याबाई होल्कर ने दूरदर्शिता दिखाते हुए काशी विश्वासीय में मंदिर बनाया। वर्तमान सबके लिए वीरांगना दर्शन है। हमें संकल्प लेना पड़ता है कि हम उनके आदानों पर चलें। लोकतान कठिन समय में भारत की ममता परंपरा की प्रतिनिधि थीं, जहां धर्म-संस्कृति व शासन एक ही धारा में प्रवाहित होते हैं। सोमनाथ गुजरात, काशी विश्वासीय, महाकालश, औकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भामाशंकर, गोमेश्वर, गोमेश्वर समेत न जाने किन्तु ममिं उनके द्वारा संजीवित हुए। वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर ने कहा कि योगी आदित्यनाथ धारा विश्वासीय, महाकालश, औकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भामाशंकर, गोमेश्वर, गोमेश्वर समेत का अनुभूति होती है। पीपुल मोटी के नेतृत्व में यह कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है।

धनखड़ ने कहा कि योगी आदित्यनाथ धारा विश्वासीय, महाकालश, औकारेश्वर, बद्रीनाथ, केदारनाथ, भामाशंकर, गोमेश्वर, गोमेश्वर समेत का अनुभूति होती है। पीपुल मोटी के नेतृत्व में यह कार्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है।

कुवारायात किया तो उपरे 100 वर्ष बाद अहिल्याबाई होल्कर ने दूरदर्शिता दिखाते हुए काशी विश्वासीय में मंदिर

